इसका क्या कारण है? दोनों हमारे पड़ोसी देश हैं और पड़ोसी देशों की मानेटरिंग होनी चाहिए। तो इन दोनों देशों, बर्मा और अफगानिस्तान को क्यों छोड़ा गया है? क्या इनकी मानेटरिंग आगे शुरू करेंगे, विशेषतः बर्मा की, जो हमारे साथ दोस्ती नहीं रखता?

SHRI K.P. SINGH DEO: Sir, our monitoring of these broadcasts of the various countries—these 26 countries which I have given in the statement—is for the prime reason of acquisition of news as well as monitoring for our news bulletins for world news and international news. But, as far as Burma and Afghanistan are concerned, it is a suggestion. We will see whether it is possible to do it and whether it is up to our requirements or not. We shall have to examine this. But I would not like to give an assurance.

श्री शंकर दयाल सिंह: सभापति महोदय, यह जो प्रश्न है, मैं समझता हूं इसका सीधा प्रभाव हमारे ऊपर पड़ता है और भारतीय श्रोताओं के ऊपर पड़ रहा है, वह हमारे पड़ोसी मुल्कों से अधिक है और खास कर के बिना नाम लिये मैं कहना चाहता हूं कि हमारा एक पड़ोसी मुल्क है उनकी ओर से जो कुछ भी प्रसारण होता है उससे बहुत अधिक झूठी बातें भारतीय मानस में पहुंचती हैं। क्या सरकार इस बात का कुछ प्रबन्ध कर सकेगी कि जो गलत बातें दूसरे देशों की आकाशवाणी द्वारा कही जाती हैं, वह अपनी आकाशवाणी, आल इण्डिया रेडियो के द्वारा खास कर के उन प्वाइंट्स को ले कर सच्चाई श्रोताओं के सामने लाई जाए, क्या सरकार ने इस संबंध में कोई प्रयत्न किया है?

SHRI K. P. SINGH DEO: Sir, what the hon. Member has said is right. This is exactly what we are doing. Whenever such aberrations are noticed by the Monitoring Cell. All India Radio makes efforts to see that the factual position is broadcast over those areas.

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: सभापति जी, मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या कोई इस प्रकार का इंस्टीट्यूशनल मेकेनिज्म उन्होंने अपने मंत्रालय में कायम किया है कि यदि किसी की तरफ से हमारे खिलाफ कोई प्रचार किया जा रहा है तो वह संबंधित मंत्रालय को उसको भेजे। केवल रेडियो के द्वारा ही नहीं, अन्य माध्यमों से भी किस प्रकार से उस दुष्प्रचार को रोका जा सकता है या जिसके संबंध में स्पष्ट किया जा सकता है, स्पष्टीकरण दिया जा सकता है, उसके लिए क्या आपने कोई प्रबन्ध किया है?

SHRI K. P. SINGH DEO: We are doing exactly that, Sir Whenever it comes to our notice, we do inform the other Ministries concerned. It is not only All India Radio but other media also which are being utilised by other Ministries.

Increase in time for Regional News on Bangalore Doordarshan

*24. SHRI GUNDAPPA KORWAR: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) the time allotted for regional news (Kannada) on Bangalore Doordarshan Kendra;

(b) whether Government propose to enhance this news time; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. P. SINGH DEO): (a) Fifteen minutes daily.

(b) There is no such proposal at present.

(c) Does not arise.

श्री गुंडप्पा कोरवार: सभापति महोदय, आज की दुनिया में दूरदर्शन का बहुत महत्व है। पढ़े लिखे लोगों और न पढ़े लिखे लोगों की दिलचस्पी दूरदर्शन में बढ़ती जा रही है। इसलिए मैंने मंत्री महोदय से रीजनल लैंग्वेज कन्नड़ में जो न्यूज आती हैं उसके बारे में यह सवाल किया है। गांव के लोग आज की दुनिया के और देश के हालात को जानना चाहते हैं। न्यूजपेपर अगर जाते हैं तो पढ़े लिखे लोग कम हैं और न पढ़े लिखे लोग गांवों में ज्यादा हैं, वह न्यूजपेपर पढ़ नहीं सकते हैं। दूरदर्शन से जो न्यूज आती है उससे वह दुनियां की हालत मालूम कर सकते हैं। कन्नड़ का न्यूज दूरदर्शन से सुबह आता है, शाम को आता है लेकिन दोपहर के समय नहीं आता

है। इसलिए मंत्री महोदय से मैं यह जानना चाहता हूं कि सरकार इस दिशा में क्या कदम उठायेगी ताकि दोपहर के समय भी कन्नड़ भाषा में न्यूज प्रसारित किये जा सकें?

SHRI K. P. SINGH DEO: Sir, at the moment, we have thirteen regional languages in which news bulletins are telecast. One of them is Kannada. All the thirteen languages excepting Tamil, are given fifteen minutes. Twenty minutes are given for Tamil because they do not take Hindi programmes.

As far as the afternoon or the evening broadcast is concerned, we have to keep the resources, the staff and the infrastructure. We will have to examine this before I can say anything.

श्री गुंडप्पा कोरवार: मेरे गुलबर्गा जिले में दूरदर्शन केंद्र है। वहां लोकल महत्व की जो भी महत्वपूर्ण घटनाएं घटती हैं या प्रोग्राम होते हैं वे समाचार कवर नहीं हो रहे हैं। इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि ऐसे दूरदर्शन केंद्र में लोकल जो न्यूज हों जो महत्व की हों उनको हाइलाइट किया जाए इसके बारे में सरकार क्या कदम उठाने जा रही है?

MR. CHAIRMAN: The Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Survey Conducted by Income Tax Department

*25. SHRI SURINDER KUMAR SINGLA:
DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that during the period from April to November, 1994 more than three lakh premises were surveyed by the Income Tax Department leading to addition of more than six lakh new cases;

(b) if so, what is the amount of tax collected from all these cases;

(c) whether the survey work continued from December, 1994 to June, 1995 and if so, how many more premises were surveyed and how many new cases were added; and

(d) what is the future plan of the department in the area of adding new cases?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M.V. CHANDRASHEKARA MURTHY): (a) and (c) It is presumed that the Hon'ble Members are referring to door to door survey under section 133B. The details are as under:—

1	2	3	4	5	6
Period	Survey under section 133B	New Assessees on Account of survey under section 133B	New assessees on account of presumptive Tax Scheme	New Assessees other than mentioned in column 3 & 4	Total number of New Assessees added
April 94-November 94	354,601	112,841	34,797	466,216	613,854
December 94-June 95	445,883	156,776	338,935	514,029	1,009,740